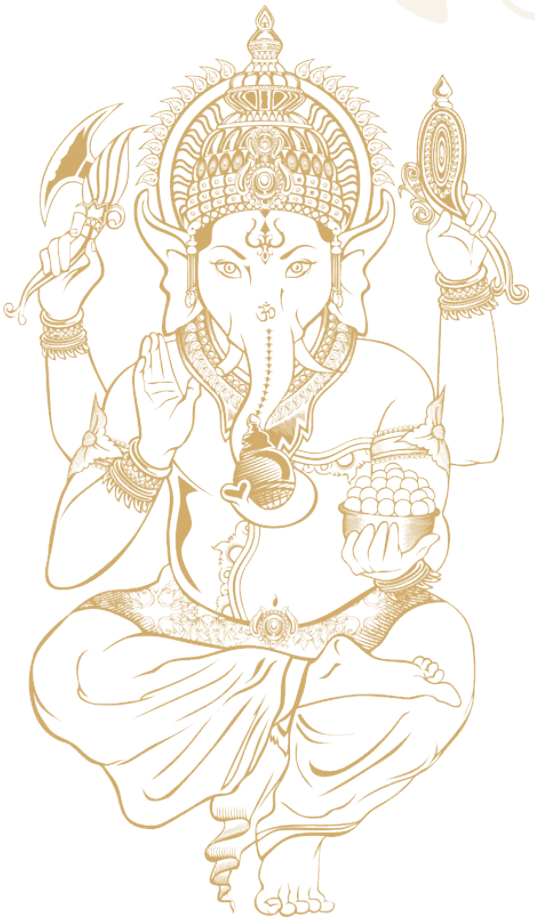

Mr.Vikrant

19 Aug 1998

07:30 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119028817

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
19/08/1998	जन्म तिथि	**19/08/2025**
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	17:33:04 घंटे
घटी 34:04:21	जन्म समय(घटी)	29:11:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:15	सूर्योदय	05:52:30
18:56:49	सूर्यास्त	18:56:21
23:50:09	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59

कुम्भ	लग्न	मकर
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कर्क	राशि	मिथुन
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
पुनर्वसु	नक्षत्र	आर्द्रा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
व्यतिपात	योग	वज्र
वणिज	करण	कौलव
ही-हीरा	जन्म नामाक्षर	ङ--
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मार्जार
27	गत/तत्कालिक वर्ष	28

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
शतभिषा	3	14:55:15	कुंभ			लग्न			मक	08:22:41	4	उत्तराषाढ़ा
मघा	1	02:33:08	सिंह			सूर्य			सिंह	02:33:08	1	मघा
पुनर्वसु	4	02:53:24	कर्क			चंद्र			मिथु	15:37:51	3	आर्द्रा
पुष्य	1	05:22:38	कर्क			मंगल			कन्या	13:39:52	2	हस्त
आश्लेषा	2	23:16:11	कर्क	व	अ	बुध			कर्क	13:59:15	4	पुष्य
पू०भाद्रपद	4	02:33:20	मीन	व		गुरु			मिथु	21:18:11	1	पुनर्वसु
पुष्य	4	13:44:21	कर्क			शुक्र			मिथु	28:25:47	3	पुनर्वसु
अश्विनी	3	09:46:47	मेष	व		शनि	व		मीन	06:36:02	1	उ०भाद्रपद
मघा	3	07:37:38	सिंह	व		राहु	व		कुंभ	24:15:31	2	पू०भाद्रपद
शतभिषा	1	07:37:38	कुंभ	व		केतु	व		सिंह	24:15:31	4	पू०फाल्गुनी
श्रवण	2	16:17:31	मक	व		मु			वृष	14:55:15	2	रोहिणी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

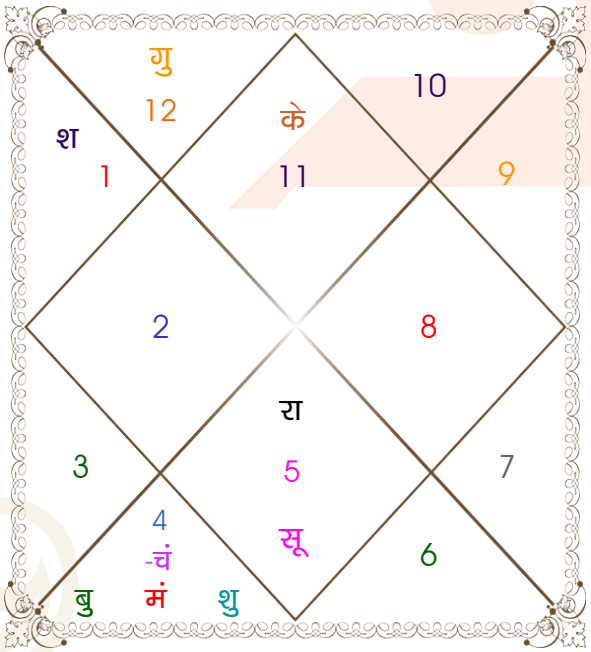

वर्ष लग्न कुंडली

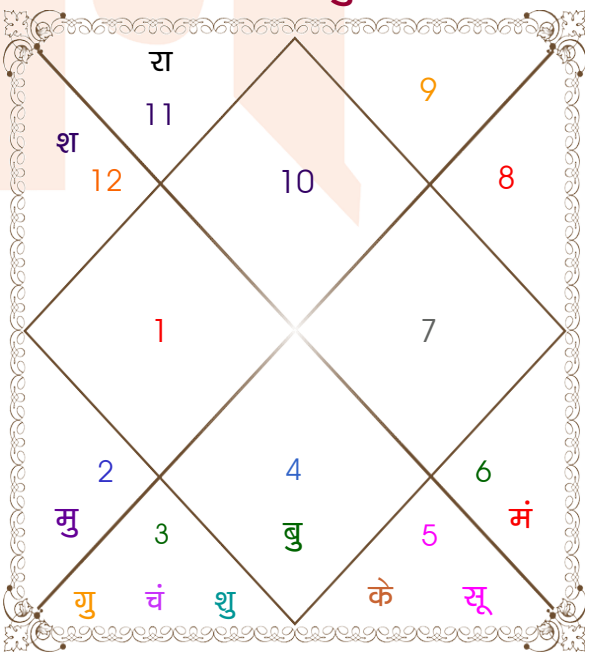

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - चंद्र - राहु		बुध - चंद्र - गुरु		बुध - चंद्र - शनि		बुध - चंद्र - बुध	
13/06/2025 08:37		29/08/2025 23:24		06/11/2025 23:12		27/01/2026 21:27	
29/08/2025 23:24		06/11/2025 23:12		27/01/2026 21:27		11/04/2026 04:45	
राहु	25/06/2025 00:02	गुरु	08/09/2025 04:10	शनि	19/11/2025 22:31	बुध	07/02/2026 06:41
गुरु	05/07/2025 08:24	शनि	19/09/2025 02:20	बुध	01/12/2025 13:04	केतु	11/02/2026 13:19
शनि	17/07/2025 15:21	बुध	28/09/2025 20:55	केतु	06/12/2025 07:46	शुक्र	23/02/2026 18:32
बुध	28/07/2025 15:14	केतु	02/10/2025 21:30	शुक्र	19/12/2025 23:29	सूर्य	27/02/2026 10:30
केतु	02/08/2025 03:54	शुक्र	14/10/2025 09:28	सूर्य	24/12/2025 01:48	चंद्र	05/03/2026 13:06
शुक्र	15/08/2025 02:22	सूर्य	17/10/2025 20:15	चंद्र	30/12/2025 21:39	मंगल	09/03/2026 19:44
सूर्य	18/08/2025 23:30	चंद्र	23/10/2025 14:14	मंगल	04/01/2026 16:21	राहु	20/03/2026 19:37
चंद्र	25/08/2025 10:44	मंगल	27/10/2025 14:50	राहु	16/01/2026 23:17	गुरु	30/03/2026 14:11
मंगल	29/08/2025 23:24	राहु	06/11/2025 23:12	गुरु	27/01/2026 21:27	शनि	11/04/2026 04:45

बुध - चंद्र - केतु		बुध - चंद्र - शुक्र		बुध - चंद्र - सूर्य		बुध - मंगल - मंगल	
11/04/2026 04:45		11/05/2026 09:09		05/08/2026 14:54		31/08/2026 11:50	
11/05/2026 09:09		05/08/2026 14:54		31/08/2026 11:50		21/09/2026 14:55	
केतु	12/04/2026 23:00	शुक्र	25/05/2026 18:07	सूर्य	06/08/2026 21:57	मंगल	01/09/2026 17:25
शुक्र	17/04/2026 23:44	सूर्य	30/05/2026 01:36	चंद्र	09/08/2026 01:42	राहु	04/09/2026 21:29
सूर्य	19/04/2026 11:58	चंद्र	06/06/2026 06:05	मंगल	10/08/2026 13:55	गुरु	07/09/2026 17:05
चंद्र	22/04/2026 00:20	मंगल	11/06/2026 06:49	राहु	14/08/2026 11:03	शनि	11/09/2026 01:23
मंगल	23/04/2026 18:35	राहु	24/06/2026 05:17	गुरु	17/08/2026 21:51	बुध	14/09/2026 01:13
राहु	28/04/2026 07:15	गुरु	05/07/2026 17:15	शनि	22/08/2026 00:10	केतु	15/09/2026 06:48
गुरु	02/05/2026 07:50	शनि	19/07/2026 08:57	बुध	25/08/2026 16:07	शुक्र	18/09/2026 19:19
शनि	07/05/2026 02:32	बुध	31/07/2026 14:10	केतु	27/08/2026 04:21	सूर्य	19/09/2026 20:40
बुध	11/05/2026 09:09	केतु	05/08/2026 14:54	शुक्र	31/08/2026 11:50	चंद्र	21/09/2026 14:55

बुध - मंगल - राहु		बुध - मंगल - गुरु		बुध - मंगल - शनि		बुध - मंगल - बुध	
21/09/2026 14:55		14/11/2026 22:52		02/01/2027 05:55		28/02/2027 14:18	
14/11/2026 22:52		02/01/2027 05:55		28/02/2027 14:18		20/04/2027 21:49	
राहु	29/09/2026 18:31	गुरु	21/11/2026 09:24	शनि	11/01/2027 07:51	बुध	07/03/2027 20:46
गुरु	07/10/2026 00:22	शनि	29/11/2026 00:55	बुध	19/01/2027 10:50	केतु	10/03/2027 20:36
शनि	15/10/2026 14:50	बुध	05/12/2026 21:07	केतु	22/01/2027 19:08	शुक्र	19/03/2027 09:51
बुध	23/10/2026 07:33	केतु	08/12/2026 16:44	शुक्र	01/02/2027 08:32	सूर्य	21/03/2027 23:26
केतु	26/10/2026 11:37	शुक्र	16/12/2026 17:55	सूर्य	04/02/2027 05:21	चंद्र	26/03/2027 06:04
शुक्र	04/11/2026 12:56	सूर्य	19/12/2026 03:52	चंद्र	09/02/2027 00:03	मंगल	29/03/2027 05:54
सूर्य	07/11/2026 06:08	चंद्र	23/12/2026 04:27	मंगल	12/02/2027 08:20	राहु	05/04/2027 22:37
चंद्र	11/11/2026 18:48	मंगल	26/12/2026 00:04	राहु	20/02/2027 22:47	गुरु	12/04/2027 18:49
मंगल	14/11/2026 22:52	राहु	02/01/2027 05:55	गुरु	28/02/2027 14:18	शनि	20/04/2027 21:49

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।